# अपना शहर

क्रोधावेश में मनुष्य अपना नुकसान करता है।

# जोधपुर राजस्थान अन्तर्राष्ट्रीय लोक महोत्सव की धूम

कालबेलिया और स्पेनिश फ्लेमिंको की जुगलबंदी की शानदार प्रस्तुति

तीसरे दिन एलबम कलाकार सोना की प्रस्तुति भी रही मनभावन

दुर्लभ बाउल गीतों की प्रस्तुति और मांगणियार और भोपों की प्रस्तुति रही यादगार

नवज्योति टीम
जोधपुर, 23 अक्टूबर।

मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट तथा जयपुर विरासत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय जोधपुर राजस्थान अन्तर्राष्ट्रीय लोक महोत्सव 2010 के तीसरे दिन राजस्थान के लोक कलाकार कालबेलियां डांस ने स्पेनिश फ्लेमिको डांस कलाकार व गिटार वादकों के साथ जुगलबंदी शानदार रही। मुख्य स्टेज पर ही आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में एलबम गायक सोना ने भी राजस्थानी कलाकारों के सहयोग के साथ पारम्परिक वाद्य यंत्रों पर अपने गायन की प्रस्तुति से मुख्य स्टेज में आमन्त्रित श्रोताओं को अपनी मनभावन प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही जसवन्तथडा पर दुलर्भ बाउल गीतों पर पश्चिमी बंगाल के कलाकार एवं अन्य राजस्थानी कलाकारों की प्रस्तुति एवं मोती महल में मांगणियार और भोपों की प्रस्तुति भी यादगार रही। जोधपुर रिफ के तीसरे दिन किले के बाहर स्थित जसवंतथडा में सुबह पांच बजे से ही श्रोताओं के पहुंचने का क्रम जारी था। अंधेरे में ही देश के पश्चिमी कोने से आए मेहमान कलाकार ने अपनी परम्परागत दुर्लभ बाउल फकीरी गायन के स्वर छेड़ सुबह के शान्त वातावरण में शहद घोल दिया। खीजामत फकीरी, खैबर फकीरी, षष्ठि फकीरी व निखिल बिश्वास (पुरूलिया, पश्चिमी बंगाल) ने एक के बाद एक अपने लोक गायन और वादन की प्रस्तुति दी।

इसके अतिरिक्त विभिन्न कलाकारों द्वारा मेहरानगढ़ दुर्ग के विभिन्न स्थानों दौलत खाना चौक, मोती महल के आस-पास के क्षेत्र व मेहरानगढ़ दुर्ग में पर्यटकों के लिये फोर्ट फेस्टिव कार्यक्रम में बहरूपिया व अन्य कलाकारों द्वारा चंग, गैर कच्छी घोडी, छत्र, कोतल, व कालबेलियों की प्रस्तुति दिन भर आने वाले पर्यटकों को लुभाती रही। जिसमें बहरूपिया की प्रस्तुति शानदार रही और बच्चों ने खूब आनन्द उठाया। विभिन्न प्रकार के बहरूपियों ने अपनी कला की प्रस्तुति से दर्शकों को सम्मोहित किया और खूब वाह-वाही लूटी।

इसी के साथ सुधी श्रोताओं के साथ लोक संगीत पर इंटरेक्टिव बातचीत के उद्देश्य से इंटरेक्टिव फोक मॉर्निंग का आयोजन भी हुआ। जिसमें लोक कलाकारों की मौजूदगी में जनता जनार्दन से कलाओं के इतिहास वर्तमान और भविष्य पर चर्चा की गई जिसमें मुख्य रूप से दुर्लभ राजस्थानी वाद्य यंत्र माटे, भपंग, नगाड़ा, जोगिया और सारंगी, ढोल और मशक आदि पर विस्तृत चर्चा चौकेलाव बाग में हुई। शाम पांच बजे किले के मोती महल क्षेत्र में लिविंग लिजेंड द्वितीय नामक प्रोग्राम का आयोजन हुआ। जिसमें मांगणियारों व भोपों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मोहित कर दिया और उनकी यह प्रस्तुति बहुत यादगार रही। इस आयोजन में मुख्य रूप से पेपे खान मांगणियार, घेवर खान मांगणियार, पतासी भोपा ने मुरली, कमायचा और विलक्षण प्रतिभा के धनी भोपों ने अपने पारम्परिक वाद्य यंत्रों पर प्रस्तुति देकर श्रोताओं को रोमांचित कर दिया। शाम ढलते ही एक बार फिर फिजा में रंग छाया राष्ट्रीय प्रस्तुति का। प्रसिद्ध एलबम गायिका सोना ने राजस्थानी के ख्याति प्राप्त कलाकारों के साथ अपने गायन से सब श्रोताओं का मन मोह लिया। उन्होंने जुगलबंदी के साथ ही साथ अपने द्वारा गाये गये महत्तवपूर्ण गानों को गाकर श्रोताओं को अपनी सुरीली आवाज से मुग्ध कर दिया। एक एतिहासिक प्रस्तुति और इसी शाम परवान चढ़ी। जिसमें स्पेनिश फ्लेमिंको डांस कलाकारों ने राजस्थान के प्रसिद्ध लोक नृत्य कलाकार कालबेलियों के साथ जुगलबंदी की ऐसी प्रस्तुति दी कि मंच के सम्मुख उपस्थित सभी श्रोतागण उनके साथ थिरकने पर मजबूर हो गये। उन्होंने संगीत, ताल व कदमताल से स्पेनिश व राजस्थानी लोककला को जोड़ एक अद्भुत प्रस्तुति देकर शाम को यादगार बना दिया। उनकी इस स्टालिश प्रस्तुति ने देर रात तक लोगों को पैर थिरकाने पर मजूबर किया।

दिन के अन्तिम आयोजन में चौकेलाव महल में ब्राजिलयिन डीजे और मेगो बो की वास्तविक बीट्स पर रिमिक्स की प्रस्तुति भी बेहतरीन रही। इस अवसर पर देशी-विदेशी कई मेहमानों के साथ ही पूर्व नरेश गजसिंह एवं इस आयोजन के सह प्रायोजक केयर्न इण्डिया प्रा. लि. के सलाहकार संदीप भण्डारी भी उपस्थित थे जिन्होंने इस आयोजन में संगीत और ताल की प्रस्तुति का आनन्द लिया।

मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट, जयपुर विरासत फाउंडेशन, ताज और सह प्रायोजक केयर्न इण्डिया प्राइविट लिमिटेड, एम्बेसी और द रिपब्लिक ऑफ पौलेण्ड, सीआरएन प्रोडेक्शन, एम्बेजादा डी स्पेनिया इन ला इण्डिया और इंस्ट्रीयुट और इयालियन डी कल्चर के भी प्रतिनिधि इस आयोजन में उपस्थित थे।